an>

Title: Need to declare the Anganwadi workers and Sahayaks engaged under Intergrated Child Development Scheme (ICDS) as State Government Employees.

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज): महोदया, मैं आपका अत्यंत आभारी हूं कि आपने मुझे देश के एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न को, जो अविलंबनीय भी है, लोक महत्व का है यहां उठाने का अवसर दिया है।...(व्यवधान) देश के ये माननीय सदस्य, जो आज सदन के वेल में हैं, जब अपने क्षेत्र में जाएंगे तो आंगनबाड़ी की बहनें इनसे पूछेंगी कि जिस समय हमारे से सम्बन्धित महत्वपूर्ण विषय को उठाया जा रहा था।...(व्यवधान) जब देश के तमाम आंगनबाड़ी केन्द्रों पर बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए स्वस्थ भारत व स्वच्छ भारत बनाने की परिकल्पना को हम साकार कर रहे हैं, उस समय देश की जनता आपसे इस बात की अपेक्षा कर रही है कि आप इसे ध्यान से सुनें।...(व्यवधान) निश्चित तौर से देश में 14 लाख केन्द्रों पर जो 28 लाख हमारी आंगनबाड़ी कार्यकर्ती और सहायिका हैं, आज उनके बारे में मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि आज उनको हर राज्य में अलग-अलग मानदेय मिल रहा है।...(व्यवधान) उत्तर प्रदेश में तीन हजार का मानदेय है, उत्तराखंड में पांच हजार का मानदेय है, साढ़े सात हजार मानदेय हरियाणा में है। ...(व्यवधान) आज देश में आंगनबाड़ी की बहनें पल्स पोलियो का काम करती हैं, जनगणना का काम करती हैं, पुष्टाहार बांटने का काम करती हैं।...(व्यवधान) जाड़ा हो, गर्मी हो, बरसात हो, वे किसी भी मौसम में आंगनबाड़ी केन्द्रों में जाकर बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए, महिलाओं को मैटरनिटी से सम्बन्धित जानकारी प्रदान करने का महत्वपूर्ण काम कर रही हैं।...(व्यवधान) पिछले दो दिनों से हजारों की संख्या में जंतर मंतर पर कन्याकुमारी से कश्मीर तक की देश की बहनें आकर बैठी हुई हैं।...(व्यवधान) उनको राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाना समिचीन है। आज देश में अन्य तमाम लोगों के लिए जो मानदेय दस हजार रूपये का है, वह भी उनको नहीं मिल रहा है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात हो गयी है।

â€¦(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : महोदया, मैं समझता हूं कि देश के सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों को वे वास्तविकता के धरातल पर लागू करती हैं।...(व्यवधान) यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : हमें मालूम है।

â€¦(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : महोदया, देश भर में हमारी 28 लाख बहनें आंगनबाड़ी कार्यकर्ती और सहायिका के रूप में कार्य करती हैं।...(व्यवधान) उनको 20-20, 30-30 वर्षों से प्रमोशन नहीं मिल रहा है।...(व्यवधान) उनकी पदोन्नति नहीं हो रही है।...(व्यवधान)उनको सीडीपीओ नहीं बनाया जा रहा है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बात हो गयी है।

â€¦(व्यवधान)

श्री जगदम्बिका पाल : महोदया, मैं माँग करता हूँ कि देश की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ती योग्य हैं।...(व्यवधान) उनको राज्य कर्मचारी का दर्जा दिया जाये और समय से उनको वेतनमान दिया जाये।...(व्यवधान)

श्री एस.एस.अहलुवालिया (दार्जिलिंग): महोदया, मैं इनकी बात का समर्थन करता हूँ।...(व्यवधान)

श्री बिष्णु पद राय (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) : महोदया, मैं भी इनकी बात का समर्थन करता हूँ।

अनेक माननीय सदस्य : हम भी समर्थन करते हैं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सब अपना समर्थन लिखकर दे दीजिएगा।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्रीमती कविता कलवकुंतला,

डॉ. किरिट पी. सोलंकी,

श्री शिवकुमार उदासि,

श्री ए.टी.नाना पाटील,

डॉ. संजय जायसवाल,

श्री निशिकान्त दुबे,

श्री रमेश बिधूड़ी,

श्री संजय धोत्रे,

श्री हरिश्चन्द्र चव्हाण,

श्री विनोद कुमार सोनकर,

डॉ. यशवंत सिंह,

प्रो. रविन्द्र विश्वनाथ गायकवाड़,

श्रीमती ज्योति धुर्वे,

श्री कमलेश पासवान,

श्रीमती अंजू बाला,

डॉ. प्रीतम गोपीनाथ मुंडे,

साध्वी सावित्री बाई फूले,

श्रीमती नीलम सोनकर,

श्रीमती रक्षाताई खाडसे,

कुमारी शोभा कारान्दलाजे,

श्री राम प्रसाद सरमा और

श्रीमती कृष्णा राज अपने आपको श्री जगदम्बिका पाल जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।